भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा शांतिकुंज
राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय प्रावीण्य छात्र शिविर एवं शिक्षक शिविर
वर्ष 2013 में निर्धारित तिथियों का ब्यौरा

दिनाँक 2 मार्च से 31 मार्च- 2013
राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनाँक 2 से 4 मार्च-2013	राजस्थान, गुजरात
दिनाँक 8 से 10 मार्च-2013	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र व दक्षिण राज्य
दिनाँक 15 से 17 मार्च 2013	उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली
दिनाँक 22 से 24 मार्च 2013	पं.बंगाल, आसाम, बिहार, उड़ीसा एवं झारखण्ड पूर्वी राज्य
दिनाँक 29 से 31 मार्च 2013	पंजाब, हरियाण जम्मू, चण्डीगढ़ हिमाचल प्रदेश

विचारणीय बिन्दु :-

(1) 2012 की समीक्षा-समस्याएँ निराकरण

(2) 2013 से नवीन पाठ्यक्रम पर विचार, मंथन व सुझाव

(3) क्षेत्र में कार्यकर्त्ता एवं शिक्षक गरिमा शिविरों की योजना

(4) शेष बची पुस्तकों का उपयोग

(5) आदर्श विद्यालय निर्माण निर्धारण, संस्था व संस्कृति मण्डलों पर विचार

(6) ओ.एम.आर. परीक्षा परिणाम, डेविड, क्रेडिट, समिति गठन पुस्तक संबन्धित व अन्य विषय

दिनाँक 16 मई 18 मई- 2013
राष्ट्रीय प्रावीण्य छात्र शिविर

राज्य स्तरीय प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी प्राप्त प्रावीण्य छात्र छात्राओं का "सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रशिक्षण शिविर"

कार्य-योजना :-

(1) व्यक्तित्व व प्रतिभा परिष्कार क्यों, कैसे, पर विचार मंथन।

(2) हमारी दैनिक दिनचर्या

(3) विद्यालय में संस्कृति मण्डल का गठन व कार्य में भागीदारी

(4) स्वाध्याय महत्व व आदत

(5) हमारी आदतें-नशा चोरी अभद्रता, अनुशासन हीनता से बचें। विनम्रता, सहयोग, सेवा, लक्ष्य प्राप्ति के प्रति जिज्ञासा, सतत प्रयास।

21 मई से 16 जून- 2013
राष्ट्रीय शिक्षक चिन्तन शिविर

दिनाँक 21 मई 23 मई भारतीय शिक्षा मण्डल उत्तर प्रदेश शिक्षाविदो का चिन्तन शिविर

दिनाँक 24 से 26 मई	उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड
दिनाँक 28 से 30 मई	गुजरात, राजस्थान, दक्षिण भारत
दिनाँक 3 जून से 5 जून	उड़ीसा, बिहार, प.बंगाल आसाम, झारखण्ड
दिनाँक 8 से 10 जून	म.प्र., छ.गढ़, महाराष्ट्र
दिनाँक 14 से 16 जून	पंजाब, हरियाण, हिमाचल दिल्ली, चण्डीगढ़

मुख्य उद्बोधन -

"शिक्षा में जीवन मूल्यों की अवधारणा-एवं संस्कारवान वातावरण" क्यों? कैसे? शिक्षा से संबंधित विविध आयामों पर चिन्तन मनन तथा व्यावहारिकता पर मनीषियों का मार्गदर्शन

कृपया- सभी जिला एवं प्रान्तीय संयोजक निर्धारित तिथि से 1 दिन पूर्व शांतिकुंज पहुँचने की सूचना व प्रति भागियों की संख्या की जानकारी तत्काल भेजें। ध्यान रहे प्रत्येक जिला से 3 से 5 ऐसे कार्यकर्त्ता शिक्षक जो केवल सक्रिय व निष्ठावान सहयोगी हों या हो सके यहाँ लाने की ही व्यवस्था करें। भीड़ न लावें अन्यथा व्यवस्था में शिक्षण में तथा व्यवधान होगा। सभी शिविरों का प्रारम्भ (प्रथम दिन) मध्यान्ह एवं समापन प्रातः।

-:- आयोजक-भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा परिवार शांतिकुंज हरिद्वार -:-